

Ch- 3 (वाद्य-यंत्रों की अनोखी दुनिया)

मौखिक

- क → फूँक से बजाए जाने वाले वाद्य-यंत्र हैं - बाँसुरी, और शहनाई ।
- ख → सितार वाद्य भारत का राष्ट्रीय वाद्य-यंत्र है ।
- ग → संतूर का भारतीय नाम 'शाततंत्री वीणा' है ।
- घ → जाकिर हुसैन 'तबला' वाद्य-यंत्र बजाते हैं ।

लिखित

- क → वाद्य-यंत्रों को निम्नलिखित तरह से बजाया जाता है - जैसे तबला, ढोलक को थाप देकर बजाया जाता है बाँसुरी, शहनाई को फूँक से और सितार, संतूर तारों में कंपन उत्पन्न करके बजाया जाता है ।
- ख → तबला हाथ की उँगलियों, हथेली और कलाई के प्रयोग से बजाया जाता है ।

- ग. → यूरोप में बाँसुरी वाद्य-यंत्र के प्रमाण मिलते हैं।
- घ. → शहनाई एक खोखली नली जैसी होती है जिसका एक सिरा अधिक चौड़ा तथा दूसरा पतला होता है शहनाई के संकरे सिर पर डैने के आकार की एक सेंटीमीटर लंबी दो पल्लियाँ लगी होती हैं।
- ड. → संतूर, अनोखा वाद्य-यंत्र इसलिए माना जाता है क्योंकि ये यंत्र तार का साज होने के बावजूद लकड़ी की छोटी छड़ी से बजाया जाता है।

घ. शहनाई का आकार कैसा होता है ?

ड. संतूर अनोखा वाद्य क्यों माना जाता है ?

च. सही के लिए ✓ और गलत के लिए ✗ का चिह्न लगाओ—

true/false

i. जाकिर हुसैन प्रसिद्ध संतूरवादक हैं।

✗

ii. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ विश्व के सर्वश्रेष्ठ शहनाईवादक माने जाते हैं।

✓

iii. तबला मूल रूप से कश्मीर का लोक-वाद्य है।

✗

vi. शहनाई को फूँक से बजाया जाता है।

✓

H.W 2. पाठांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो—

• paragraph reading
• comprehension

थाप देकर बजाए जानेवाले वाद्यों में तबला सबसे लोकप्रिय वाद्य है। इसका प्रयोग शास्त्रीय संगीत से लेकर पाश्चात्य संगीत तक में किया जाता है। यह उत्तर भारत में अधिक प्रचलित है। संगीत में दो तबलों का प्रयोग किया जाता है। बाएँ हाथ से बजाया जानेवाला यंत्र आकार में बड़ा होता है, इसे बायाँ कहा जाता है।

क. तबले का प्रयोग किस तरह के संगीत में किया जाता है ?

ख. तबला कहाँ अधिक प्रचलित है ?

ग. संगीत में कितने तबलों का प्रयोग किया जाता है ?

घ. दो विशेषण शब्द चुनकर लिखो।

3. सही शब्द लिखकर वाक्य पूरे करो—

completing sentence

क. पंडित रविशंकर और उस्ताद लियाकत खाँ .

(सितार / संतूर)

सितार वादक हैं।

ख. संतूर को लकड़ी की छोटी छड़ों से बजाया जाता है।

(तबला / संतूर)

ग. बड़े आकार के तबले को बायाँ कहा जाता है।

(बायाँ / दायाँ)

घ. सितार को अंगुली में महराब पहनकर बजाया जाता है।

(महराब/अंगूठी)

ड. गायन के साथ जब वाद्य-यंत्रों का साथ मिलता है तो

श्रोतागण उस गीत-संगीत में डूब जाते हैं।

(दर्शकगण / श्रोतागण)

मीचकन ललनवी—

Values discipline, enthusiasm

संगीत हममें कलन-कलन गुणों का वलकलस करता है ?



भाषा से...

1. वलडरीतलरथक शकड ललखु—

• antonym

अधलक	×	कड/वुन	बड़ा	×	छुल
दलरल	×	बलथु	कलत	×	हलर
डतलल	×	डुल	डुरलसनीड	×	अडुरलसनीड
अंतलड	×	डुरडड	नकलदीक	×	दूर
कलत	×	अकलत	एक	×	अनेक

2. डडु, सडडु और ललखु—

• cluster

द + ड	=	दड	वलदड	वलदडल	वलदडडलन
क + छ	=	कक	ककक	ककक	कुककल
द + ध	=	दध	दुध	दुध	दुधडलन
स + त	=	सत	दुसत	डसत	दसतक
स + थ	=	सथ	सुसथ	असुसथ	आसुथल

3. डलठ डें से वुडवलकक, कलतलवलकक और डलववलकक संकल के दु-दु शकड छलँकक ललखु—

• kinds of noun

वुडवलकक संकल

कलतलवलकक संकल

डलववलकक संकल

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. ऐसे शब्दांश जो शब्द के अंत में लगकर उसके अर्थ में बदलाव लाते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। जानकार + ई = जानकारी

• suffix

नीचे दिए गए प्रत्ययों में से उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाओ—

• नीय पूर्ण शील ईय गत •

महत्त्व + पूर्ण = "महत्त्वपूर्ण"	उल्लेख + नीय = "उल्लेखनीय"
शास्त्र + ईय = "शास्त्रीय"	विकास + शील = "विकाशशील"
भारत + ईय = "भारतीय"	परंपरा + गत = "परंपरागत"

5. तबले का प्रयोग हर तरह के संगीत में किया जाता है। यह उत्तर भारत में अधिक प्रचलित है। वाक्य में यह शब्द का प्रयोग तबले के स्थान पर हुआ है। 'तबला' शब्द संज्ञा है।

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जानेवाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

उचित सर्वनाम छाँटकर वाक्य पूरे करो—

• Pronoun

• इसका वह इसे वे कुछ •

- संतूर प्रसिद्ध वाद्य है। "इसे" शततंत्री वीणा भी कहते हैं।
- सितार तारों में कंपन करके बजाते हैं। शास्त्रीय संगीत में "इसका" प्रयोग किया जाता है।
- पंडित रविशंकर और उस्ताद लियाकत खाँ अच्छे सितार वादक माने जाते हैं। "वे" विदेशों में भी लोकप्रिय हैं।
- भारत में कई प्रकार के वाद्य-यंत्र प्रचलित हैं। "कुछ" फूँक से बजाए जाते हैं तो कुछ थाप देकर।
- विभा ने गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। "वह" शास्त्रीय संगीत सीखती है।